राज्यपाल सचिवालय

राजभवन, जयपुर

सबके प्रयासों और विश्वासों से फलीभूत होगा सबका साथ-सबका विकास और सशक्त-समर्थ भारत का निर्माण- राज्यपाल

शक्तिपुंज युवाओं में राष्ट्रप्रेम और नैतिक मूल्यों की स्थापना के केंद्र बनें उच्च शिक्षा संस्थान जीजीटीयू में " भविष्य का भारत और हमारा योगदान " विषयक संगोष्ठी

कौटिल्य शोध भवन-स्वामी विवेकानंद छात्र कल्याण भवन का हुआ शिलान्यास " कदम्ब " का वृक्षारोपण

जयपुर/बांसवाड़ा, 20 सितम्बर। आजादी के एक सौ साल पूरे होने पर '' विकसित भारत 2047 '' की संकलप्ना केवल विचार मात्र नहीं अपितु हम सभी भारतीयों का परम उद्देश्य और ध्येय होना चाहिए। यह उज्जवल और स्वर्णिम भारत न केवल सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, वैज्ञानिक, प्रौद्योगिक, समृद्धि का प्राप्त होगा बल्कि इसमें सर्व समावेशी विकास, सांस्कृतिक वैभव और उच्च नैतिकता से समुन्नत जीवन भी प्राप्त होगा। इस ध्येय को प्राप्त करना हम सभी का पुनीत दायित्व है और यह तभी प्राप्त होगा जब ऐसे सुनहरे भवष्य को प्राप्त करने की दिशा में हम सभी अपना सम्पूर्ण योगदान करेंगे। सबके सद्प्रयासों और आपसी विश्वासों से ही सबका साथ-सबका विकास होगा और इसी से हम समर्थ और सशक्त देश का निर्माण कर सकेंगे।

राज्यपाल और कुलाधिपति श्री हरिभाऊ बागड़े ने शुक्रवार को जीजीटीयू द्वारा आयोजित गोष्ठी '' भविष्य का भारत और हमारा योगदान '' (विकसित भारत/2047) के विशेष सन्दर्भ में विषयक गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए।

राज्यपाल ने इस अवसर पर युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे देश का समृद्ध अतीत इस बात का साक्षी है कि शक्तिपुंज युवाओं ने देश की दिशाएं तय की है। आज के युवा को न केवल अकादमि और वैज्ञानिक दृष्टि से सम्पन्न बनना पड़ेगा अपितु नैतिक रूप से भी समृद्ध और राष्ट्रप्रेमी बनना पड़ेगा। इस लक्ष्य की पूर्ति में उच्च शिक्षा केंद्र सबसे बड़े माध्यम बन सकते हैं। आज युवाओं को अपनी प्राथमिकताएं तय करनी ही होंगी। स्वामी विवेकानंद, खुदीराम बोस के जीवन चरित आज प्रेरक होने चाहिए।

राज्यपाल ने अपने उद्बोधन के प्रारंभ में पूज्य गोविन्द गुरू को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि गोविन्द गुरू महामानव थे, जिन्होंने न केवल विदेशी हुकूमत के खिलाफ एक सशक्त जन-आन्दोलन खड़ा कर लोकशाही की स्थापना में अमूल्य योगदान किया अपितु '' संप सभा '' आदि के माध्यम से क्षेत्र मंे शिक्षा की अलख जगाई और युगीन सामाजिक कुरीतियों और बुराइयों का उन्मूलन किया।

भविष्य का भारत: यह है रूपरेखा

राज्यपाल ने भविष्य के भारत की संकल्पना की रूपरेखा स्पष्ट करते हुए कहा कि भविष्य के भारत में डिजिटल विकास, स्टार्ट अप, सशक्त और सार्थक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में विकास होगा तो साथ ही पर्यावरण संरक्षण, हर गांव अपने बुनियादी सुविधाओं से सम्पन्न बनेगा, अनुकूल अर्थव्यवस्था बनेगी, शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में नए मानक तय होंगे भौतिक और सामाजिक विकास के साथ-साथ सनातन मूल्योंः दूसरों के हित सोचना, राष्ट्रहित सर्वोपरि, सर्वे भवन्तु सुखिनः आदि भावों के साथ ही समावेशी और सतत विकास को प्राप्त होंगे संगोष्ठी में स्वागत अभिनन्दन करे हुए कुलपति प्रो. केशव सिंह ठाकुर ने सत्र-पर्यन्त कार्यों, विकास यात्रा को स्पष्ट किया और साथ ही आगामी समय में विश्वविद्यालय के भावी कार्यों और परियोजनाओं को स्पष्ट किया।

विकास और सेवा की पाठशाला स्वयं के जीवन से ही

राज्यपाल ने देश के प्रथम लोकसभा स्पीकर जीवी मावलंकर के अनुभव साझा करते हुए एक दृष्टान्त देते हुए कहा कि उस समय एक उच्च शिक्षित युवा स्वयं को अर्थशास्त्र का उच्च विद्यार्थी मानता था और देश के आर्थिक विकास में, नियोजन में अपना योगदान देने की भावना से इच्छा रखता था लेकिन अपने रोज के खाने की थाली में ही अन्न जूठा छोड़ देता था। तब कहा गया कि देश के विकास की योजना और विचार रखने वाला खुद के भोजन की थाली जूठी छोड़ सकता है, खुद का नियोजन नहीं कर सकता वह व्यक्ति िदेश का क्या नियोजन कर सकेगा। व्यक्त की अपनी योजना की शुरूआत स्वयं अपने जीवन के करनी होगी।

कौटिल्य शोध भवन- स्वामी विवेकानंद छात्र कल्याण भवन का हुआ शिलान्यास" कदम्ब " का वृक्षारोपण

राज्यपाल ने संगोष्ठी पूर्व परिसर में " गुलाब-वाटिका " में कदम्ब का पौधा लगाया और कैम्पस में बनने वाले दो भवन- विश्वविद्यालय के शोध अनुभाग हेतु " कौटिल्य शोध भवन " एवं छात्रों के कल्याण और मार्गदर्शन केन्द्रित " स्वामी विवेकानंद छात्र-कल्याण भवन " का शिलान्यास किया।